

# स्वैच्छिकी प्रार्थना

रेटगि:

वविरण: ?? ??? ??? ?????????? ?????????? ????? ????? ?? ??? ????? ?????? ?????????

शरेणी: [पाठ](#) , [पूजा के कार्य](#) , [प्रार्थना](#)

द्वारा: Imam Mufti (© 2013 NewMuslims.com)

प्रकाशति हुआ: 08 Nov 2022

अंतमि बार संशोधति: 07 Nov 2022

185

इस पाठ में स्वैच्छिकी नमाज़ यानि नफ़्ल की मूल बातें सखिाई जाएंगी।

उददेश्य

- नफ़्ल और फ़र्ज़ नमाज़ में फ़रक समझना।
- नफ़्ल नमाज़ के लाभों को समझना।
- आमतौर पर की जाने वाली स्वैच्छिकी नमाज़ों के बारे में जानना।

अरबी शब्द

- ????, ?????, ???, ??????, ??? - इस्लाम में पांच दैनिकी नमाज़ों के नाम।
- ???? - एक अनविरय करतव्य।
- ???? - नमाज़ का एक स्वैच्छिकी कार्य।
- ??-???? ??-???????? - दैनिकी अनविरय नमाज़ों से पहले और बाद में पैगंबर द्वारा की गई अतरिकित नमाज़ें।
- ???? - प्रार्थना की इकाई।
- ???? - नमाज़ के आखरि मे शांतिका सलाम।

•???? - दनि के समय की जाने वाली वैकल्पिकि नमाज़ का नाम।

सबसे पहले काम फ़रज़ और नफ़्ल के बीच का अंतर समझना है। फ़रज़ अनविर्य है, और अल्लाह ने हमें इसे करने का आदेश दिया है, और इसे छोड़ना पाप है और इसके लिए हमें ज़िम्मेदार ठहराया जाएगा। एक उदाहरण फ़रज़ की नमाज़ की दो रकात है। नफ़्ल का शाब्दिक अर्थ है 'अतिरिक्त'। मुसलमान को नफ़्ल नमाज़ करने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति पर निर्भर है कि वह इसे करे या न करे। यह वैकल्पिकि और स्वैच्छिकि है। यदि मुसलमान नफ़्ल नहीं करता है तो उसे पाप नहीं होगा, लेकिन अगर करता है तो उसे पुरस्कृत किया जायेगा। इसलिए नफ़्ल नमाज़ करने की सलाह दी जाती है। इस पाठ में नफ़्ल नमाज़ के उदाहरण बताये जायेंगे।



स्वैच्छिकि नमाज़ के बारे में एक सलाह। इसे धीरे-धीरे अपनी दैनिक अनविर्य प्रार्थनाओं में शामिल करें। आपको सबसे पहले पांच आवश्यक दैनिकि नमाज़ों पर ध्यान देना चाहिए और सुनिश्चित करना चाहिए कि आप उन्हें नियमिति रूप से और समय पर करें। स्वैच्छिकि नमाज़ को चरण दर चरण जोड़ें, खुद पर बोझ न डालें और साथ ही स्वैच्छिकि नमाज़ों को न छोड़ें।

## नफ़्ल नमाज़ के फ़ायदे

पैगंबर ने कहा: "पुनरुत्थान के दनि लोगों से सबसे पहले नमाज़ का हिसाब लिया जायेगा। हालांकि हमारा ईश्वर बेहतर जानता है, लेकिन वो स्वर्गदूतों से कहेगा: 'मेरे दासों की नमाज़ (औपचारिकि अनविर्य प्रार्थना) को देखो कि क्या उसने इसे पूरी तरह से किया है या इसमें लापरवाही की है।' तो अगर उसने इसे पूरी तरह से किया होगा तो यह उसके हिसाब में जोड़ दिया जाएगा, लेकिन अगर उसने इसमें लापरवाही की होगी, तो अल्लाह कहेगा: 'देखो क्या मेरे दास ने कोई स्वैच्छिकि नमाज़ की है या नहीं।' फिर अगर उसने कोई स्वैच्छिकि नमाज़ की होगी, तो अल्लाह कहेगा: 'मेरे दास की अनविर्य नमाज़ में जो कमी है उसको उसकी स्वैच्छिकि नमाज़ों से पूरा करो।' उसके बाद उसके सभी कर्मों की इसी तरह जांच की जाएगी" (अबू दाऊद)।

## दो प्रकार के नफ़्ल नमाज़

ए) सामान्य नफ़्ल नमाज़: कोई जब चाहे तब ये नमाज़ पढ़ सकता है और ये बिना किसी कारण या उद्देश्य के हो सकता है, न ही इसकी कोई सीमा निर्धारित है। हालांकि यह ध्यान देना चाहिए कि

सामान्य नफ़्ल की नमाज़ उस समय नहीं पढ़नी चाहिए जब स्वैच्छिकि नमाज़ पढ़ना नषिदिध या नापसंद हो।

बी) वशिष्टि नफ़्ल नमाज़: ये नमाज़ कसिी खास कारण या उद्देश्य से जुडी होती है।

## आमतौर पर पढी जाने वाली वशिष्टि नफ़्ल नमाजो के उदाहरण

**अस-सुनन अर-रावातबि (अक्सर इसे 'सुन्नत नमाज' कहा जाता है)**

ये स्वैच्छिकि नमाज है जो अनवार्य नमाजों से जुडी होती है और इसकी एक वशिष्टि क्रम और संख्या होती है। आमतौर पर पढी जाने वाली स्वैच्छिकि नमाज की सूची नीचे दी गई है:

नमाज का नाम	फ़रज़ नमाज़ की रकात	फ़रज़ से पहले 'सुन्नत नमाज़' की रकात	फ़रज़ के बाद 'सुन्नत नमाज़' की रकात
फज़र	2	2	
जुहर	4	4 (2+2)	2
असर	4		
मगरबि	3		2
ईशा	4		2

?????? ?? ??? ?? ??? : "जो कोई दनि और रात में बारह रकात पढ़ता है, उसके लिए स्वर्ग में एक घर बनाया जाएगा: जुहर से पहले चार रकात और उसके बाद दो , मगरबि के बाद दो रकात, ईशा के बाद दो रकात और फज़र से पहले दो रकात।" (तरिमाज़ि)

?????? ?? ????????? ???? ?? ????? ?? ????? ?? ????? ?? ????? ?? ????? ?? ???, "ये मुझे पूरी दुनिया से ज्यादा प्यारे हैं।" (सहीह मुस्लमि)

**“पैगंबर ने किसी भी परस्थिति में जुहर से पहले चार रकात और फज्र से पहले दो रकात की नमाज़ पढ़ना कभी नहीं छोड़ा।” (सहीह अल-बुखारी)**

## **वतिर की नमाज़**

पैगंबर ने वतिर की नमाज़ पढ़ी और दूसरों को पढ़ने की सलाह दी। यह एक नफ़्ल है और अत्यधिक पुण्य वाली वैकल्पिक प्रार्थना है, और कुछ वदिवानों के अनुसार यह एक आवश्यक प्रार्थना है।

यह ईशा की नमाज़ के बाद पढ़ी जाती है और इसे फज्र की नमाज़ शुरू होने से पहले तक पढ़ सकते हैं।

वतिर की नमाज़ ऐसे पढ़ने की अनुमति है:

1. इसे किसी भी अन्य दो रकात नमाज़ की तरह पढ़ो और तसलीम के साथ समाप्त करो, और फिर एक और रकात पढ़ो और तसलीम के साथ नमाज़ को समाप्त करो।
2. इसकी तीन रकातों को एक साथ पढ़ो (मगरबि की तरह दूसरी रकात के बाद बैठे बनिा) और फिर तसलीम के साथ नमाज़ समाप्त करो।
3. एक रकात और नमाज़ को तसलीम के साथ समाप्त करना।

## **तहयिा-तुल-मस्जदि (मस्जदि में प्रवेश करने की नमाज़)**

यह वो नमाज़ है जिसमें मस्जदि में प्रवेश करने पर दो रकात नफ़्ल पढ़ी जाती है। अल्लाह के दूत ने कहा, "यदि आप में से कोई मस्जदि में प्रवेश करे, तो उसे बैठने से पहले दो रकात नमाज़ पढ़ना चाहिए।" (सहीह अल-बुखारी)

## **सलात अत-तौबा (पश्चाताप की प्रार्थना)**

?????? ?? ??? ?? ???, "ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है जो पाप करने पर खुद को शुद्ध करने के लिए दो रकात नमाज़ पढ़े और फिर अल्लाह से माफ़ी मांगे और अल्लाह उसे माफ़ न करे" (अबू दाउद, तरिमजी, इब्न माजा)

## **दुहा की नमाज़**

अबू ज़र बताता है कि पैगंबर ने कहा: "आपके शरीर के हर हिस्से से प्रतिदिन दान की आवश्यकता होती है। सुभानल्लाह - अल्लाह धन्य है - कहना दान है। अल्हम्दुलिल्लाह - ऐ अल्लाह तेरा शुक्र है - कहना दान है। 'ला इलाहा इल्लल्लाह' - अल्लाह के सिवा कोई सच्चा ईश्वर नहीं है - कहना दान है।' अल्लाहु अकबर - अल्लाह सबसे महान है - कहना दान है। अच्छा आदेश देना दान है। बुराई खत्म करना दान है। और उसके लिए (दान के रूप में) क्या पर्याप्त है, दुहा की दो रकातें।" (सहीह मुस्लिमि)

दुहा का समय तब शुरू होता है जब सूर्य क्षितिज के ऊपर एक भाले की लंबाई तक पहुंचता है और यह समय सूर्य के मध्याह्न तक पहुंचने तक रहता है। इस नमाज़ के लिए तब तक देरी करना बेहतर है जब तक कि सूरज ऊंचा न हो जाए और दिन गर्म न हो जाए।

इस नमाज़ की न्यूनतम रकात की संख्या दो है। यदि कोई चाहे तो अधिक रकात पढ़ सकता है।

इस लेख का वेब पता

<https://www.newmuslims.com/hi/articles/185>

कॉपीराइट © 2011 - 2024 NewMuslims.com. सर्वाधिकार सुरक्षित।